भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान द्वारा पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के अनुसूचित जनजाति के मत्स्य किसानों का क्षमता निर्माण

भा कृ अनु प-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र ने 16-18 अक्टूबर 2024 तक पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के 20 आदिवासी **मत्स्य** किसानों के लिए 'मीठे पानी के जलीय कृषि के आधुनिक तरीके ' पर 3 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह प्रशिक्षण मत्स्य विभाग, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड में आयोजित किया गया । भा कृ अनु प-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ,कोलकाता केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया ।

उद्घाटन सत्र में पूर्वी सिंहभूम के डीएफओ ने किसानों को पूर्वी सिंहभूम, झारखंड में जलीय कृषि की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य के परिदृश्य के बारे में जानकारी दी । तकनीकी सत्रों में किसानों को मिश्रित मछली पालन, जलीय कृषि में चारा और चारा प्रबंधन के महत्व, तालाब प्रबंधन और पानी और मिट्टी की गुणवत्ता मापदंडों के रखरखाव के बारे में जानकारी दी गई ताकि वे वैज्ञानिक मछली पालन को अपनाकर अधिक लाभ कमा सकें । आईसीएआर-सीआईएफई जल परीक्षण किट और खेत में बने आहार की तैयारी का उपयोग करके पीएच, डीओ, अमोनिया आदि जैसे जल गुणवत्ता मापदंडों का व्यावहारिक प्रदर्शन किसानों को खेत के तालाबों में दिखाया गया । मछली रोग प्रबंधन और एकीकृत मछली पालन जैसे अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को भी शामिल किया गया ताकि किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके और कृषक परिवार की पोषण, आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ उनकी आजीविका में सुधार हो सके । समापन कार्यक्रम में मत्स्य विभाग, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के डीएफओ ने किसानों को वैज्ञानिक कार्प खेती के बारे में संबोधित किया और उनसे अपने तालाबों में प्रशिक्षण से सीखे ज्ञान को लागू करने का आग्रह किया । फीडबैक सत्र में किसानों ने प्रशिक्षण से प्राप्त परिणामों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की और वैज्ञानिक मछली पालन को अपनाने के लिए प्रेरित किया । प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में किसानों के बीच प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, मैनुअल, आईसीएआर-सीआईएफई पीएच किट, डीओ किट और कार्प बीज वितरित किए गए । प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भा कृ अनु प-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सी. एन. रविशंकर तथा आईसीएआर-सीआईएफई कोलकाता केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. टी. के. घोषाल के निर्देश पर किया गया ।

(स्रोत: भा कृ अनु प -केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई)

Skill Deve
der TSP on
आधुनिक तकन
में मछल
MODERN METHO
RE
ber, 2024
d by
ICAR - CENTRAL INSTIT
HERIES EDUCATIO
In collaboration with
sheries, East Singhb
Venue : Departm
s, East Singhbhu

जिला मत्स्य कार्यालय
आधुनिक तकनीक से मीठे पानी में मछली पालन
MODERN METHODS OF FRESHWATER AQUACULTURE